SHODH SAMAGAM

ISSN : 2581-6918 (Online), 2582-1792 (PRINT)

मध्यप्रदेश के शहडोल जिले की जनांकिकीय संरचना

दीपक पटेल, समाजशास्त्र विभाग,
शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बुढार, जिला शहडोल, मध्यप्रदेश, भारत

ORIGINAL ARTICLE

Corresponding Author

दीपक पटेल, समाजशास्त्र विभाग,
शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बुढार,
जिला शहडोल, मध्यप्रदेश, भारत

shodhsamagam1@gmail.com

Received on : 20/10/2022
Revised on : -----
Accepted on : 28/10/2022
Plagiarism : 02% on 20/10/2022

Plagiarism Checker X - Report
Originality Assessment
Overall Similarity: **2%**
Date: Oct 20, 2022
Statistics: 41 words Plagiarized / 2280 Total words
Remarks: Low similarity detected, check with your supervisor if changes are required.

शोध सार

21वीं सदी में भारत की प्रमुख समस्याओं में से एक जनसंख्या वृद्धि की समस्या है। 1996 में विश्व की जनसंख्या 580 करोड़ थी और वर्तमान में विश्व की जनसंख्या लगभग 790 करोड़ है। इस शोधपत्र में मध्य प्रदेश के शहडोल जिले की जनांकिकीय संरचना के संदर्भ में अध्ययन किया गया है। इस शोध पत्र में शहडोल जिले की जनसंख्या, धार्मिक संरचना, साक्षरता, ग्रामीण और नगरीय जनसंख्या आदि का तथ्यात्मक अध्ययन किया गया है।

मुख्य शब्द

जनसंख्या, जनांकिकीय संरचना, लिंगानुपात.

प्रस्तावना

जनसंख्या किसी भी देश का महत्वपूर्ण तत्व है। जनसंख्या का संतुलित होना अति आवश्यक है, यदि जनसंख्या बहुत ज्यादा है तो भी एक समस्या बन जाती है और यदि किसी देश की जनसंख्या बहुत ही कम है तो वहां पर मानव संसाधन की कमी हो जाती है। पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा जनसंख्या चीन उसके बाद भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, ब्राज़ील, नाइजीरिया, बांग्लादेश और मेक्सिको में है। तेजी से बढ़ती हुई जनसंख्या को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 1989 में वर्ल्ड पापुलेशन डे मनाने की घोषणा की जो कि प्रत्येक वर्ष 11 जुलाई को मनाया जाता है।

जनगणना का इतिहास

जनगणना का कार्य जनगणना अधिनियम 1948 के प्रावधानों के तहत किया जाता है। भारत के संविधान के अनुच्छेद 246 के तहत जनगणना संघ का विषय है। ऋग्वेद से पता चलता है कि उस समय भी समाज में व्यक्तियों की गणना की जाती थी। तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व कौटिल्य द्वारा लिखे गए अर्थशास्त्र में कर के सुचारू

रूप से संग्रह के लिए जनसंख्या के आंकड़े को महत्वपूर्ण बताया है। आइन–ए–अकबरी में मुगल बादशाह अकबर के शासन काल में जनसंख्या, उद्योग, धन और कई अन्य विषय पर आंकड़े प्रस्तुत किए गए हैं।

भारत की पहली जनगणना सन 1872 में लॉर्ड मेयो के शासनकाल के दौरान आयोजित की गई। इसके बाद पहली नियमित जनगणना 1881 में आयोजित की गई। तब से लेकर आज तक प्रत्येक 10 वर्ष में नियमित रूप से जनगणना आयोजित की जाती है। सन् 2011 की जनगणना 15वीं जनगणना है।

सामाजिक, आर्थिक और जाति जनगणना (SECC), जनगणना से भिन्न है। सामाजिक, आर्थिक और जाति जनगणना वर्ष 1931 के बाद पहली बार वर्ष 2011 में आयोजित की गई। सामाजिक, आर्थिक और जाति जनगणना वर्ष 2011 में देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आयोजित की गई। सामाजिक, आर्थिक और जाति जनगणना 2011 पहली पेपरलेस जनगणना है। इसमें आंकड़ों के संग्रहण के लिए इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का प्रयोग किया गया। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने सामाजिक, आर्थिक, जातिगत जनगणना के आंकड़ों को मनरेगा, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना जैसे कार्यक्रमों में प्रयोग करने का फैसला किया है।

जनसंख्या से संबंधित आंकड़े एवं रिपोर्ट

1996 के आंकड़ों के अनुसार विश्व की कुल जनसंख्या 580 करोड़ थी, इसमें से 351 करोड़ केवल एशिया की जनसंख्या थी उसके बाद दूसरे नंबर पर अफ्रीका महाद्वीप था जहाँ की जनसंख्या केवल 74.8 करोड़ थी। तीसरे नंबर पर यूरोप था, जहाँ की जनसंख्या 72.8 करोड़ थी। उत्तर अमेरिका 46.2 करोड़ जनसंख्या के साथ चौथे स्थान पर था, जबकि दक्षिण अमेरिका में 32.5 करोड निवासी निवासरत थे। छठे नंबर पर ओशिनिया महाद्वीप था जहाँ की जनसंख्या सबसे कम केवल 2.9 करोड़ थी। एक बहुत ही प्रसिद्ध वेबसाइट Worldometers के अनुसार वर्तमान में पूरे विश्व की कुल जनसंख्या 7.9 अरब अर्थात् 790 करोड़ है।

विश्व में जनसंख्या वृद्धि के संबंध में कुछ गलत धारणाएं भी हैं, अक्सर यह माना जाता है कि विकासशील देशों में बहुत लंबे समय से बहुत तीव्र गति से जनसंख्या वृद्धि हो रही है। वास्तव में विश्व की जनसंख्या में अधिकांश वृद्धि 1750 के बाद मानी जाती है। यदि हम 1750 के बाद की जनसंख्या वृद्धि को विकसित और विकासशील देशों के संदर्भ में देखें तो हमें यह पता चलता है कि 1750 से 1950 तक विश्व के विकसित देशों की जनसंख्या दर विकासशील देशों की जनसंख्या दर से अधिक रही है। यह बहुत ही महत्वपूर्ण और ध्यान देने योग्य है कि 1750 से 1850 के बीच विकसित देशों की जनसंख्या वृद्धि दर 0.6 प्रतिशत प्रतिवर्ष थी, जबकि विकासशील देशों की जनसंख्या वृद्धि दर 0.4 प्रतिशत प्रतिवर्ष थी। इसी प्रकार 1850 से 1950 के बीच विकसित देशों की जनसंख्या वृद्धि दर बढ़कर 0.9 प्रतिशत प्रतिवर्ष हो गई और विकासशील देशों की जनसंख्या वृद्धि दर बढ़कर 0.6 प्रतिशत प्रतिवर्ष हो गई। 1750 से 1950 के दौरान विकसित देशों की कुल जनसंख्या 19.1 करोड़ से बढ़कर 83.2 करोड़ यानि कि 4.4 गुना बढ़ गई, जबकि विकासशील देशों की जनसंख्या 1750 से 1950 के बीच 56.7 करोड़ से बढ़कर 168.4 करोड़ यानि लगभग 3 गुना हो गई। अतः कहा जा सकता है कि विश्व जनसंख्या के इतिहास के संदर्भ में वर्ष 1950 एक महत्वपूर्ण वर्ष है और इसके बाद से ही विकासशील देशों की जनसंख्या वृद्धि ने एक नया मोड़ लिया और विकासशील देशों की जनसंख्या तेजी से बढ़ी।

अभी हाल ही में संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष ने world population report 2022 प्रस्तुत की और इस रिपोर्ट का शीर्षक है "Seeing the unseen: The case for action in neglected crisis of unintended pregnancy".

इस रिपोर्ट की कुछ प्रमुख बातें इस प्रकार हैं:

- वर्ष 2015 से 2019 के बीच हर वर्ष वैश्विक स्तर पर 121 मिलियन अनपेक्षित गर्भधारण हुए।
- विश्व स्तर पर अनुमानित 257 मिलियन महिलाएं जो गर्भावस्था से बचना चाहती हैं। गर्भनिरोधक के सुरक्षित आधुनिक तरीकों का उपयोग नहीं कर रही हैं।

- लगभग एक चौथाई महिलाओं को अनैच्छिक यौन क्रियाओं के लिए मजबूर किया जाता है।
- विश्व स्तर पर किए जाने वाले सभी गर्भपात में से 45 प्रतिशत असुरक्षित हैं।

अध्ययन क्षेत्र

(स्रोत: *https://bit.ly/3VewFTb)*

यह अध्ययन मध्यप्रदेश के शहडोल जिले पर आधारित है। शहडोल जिला मध्य प्रदेश के उत्तर पूर्वी भाग में स्थित है। इसका क्षेत्रफल 5610 वर्ग किलोमीटर है। क्षेत्रफल की दृष्टि से शहडोल जिला मध्यप्रदेश में 23 वें नंबर पर है। शहडोल जिला दक्षिण पूर्वी मध्य रेलवे के बिलासपुर–कटनी रेल मार्ग के बीच स्थित है। यह दक्षिण पूर्व में

अनूपपुर, उत्तर में सतना और सीधी, तथा पश्चिम में उमरिया जिले से घिरा हुआ है। पूर्व से पश्चिम तक इस जिले की लंबाई 110 किलोमीटर तथा उत्तर से दक्षिण तक की लंबाई 170 किलोमीटर है। शहडोल जिले का अक्षांशीय विस्तार 22°52′ उत्तरी अक्षांश से 25°41′ उत्तरी अक्षांश तक तथा 80°10′ पूर्वी देशांतर से 82°12′ पूर्वी देशांतर के बीच स्थित है। वर्तमान में शहडोल जिले में 390 ग्राम पंचायतें, 6 तहसीलें, 3 विधानसभा सीटें, एक लोकसभा सीट, पांच नगर परिषद् क्षेत्र तथा दो नगर पालिका क्षेत्र स्थित है।

शोध विधि तंत्र

किसी भी अध्ययन में या तो प्राथमिक आंकड़ों के ऊपर निर्भरता होती है या फिर द्वितीयक आंकड़ों के ऊपर, लेकिन इस शोध पत्र में आंकड़ों की प्राप्ति के लिए द्वितीयक सामग्री का प्रयोग किया गया है। इस शोधपत्र में जनसंख्या से संबंधित आंकड़े भारतीय जनगणना 2011 से लिए गए हैं और आंकड़ों के समुचित विश्लेषण के लिए यथा स्थान तालिका एवं सांख्यिकी विधियों का प्रयोग किया गया है। आवश्यकतानुसार चार्ट का भी प्रयोग किया गया है।

शहडोल जिले की जनांकिकीय संरचना

सन् 2011 की जनगणना के अनुसार शहडोल जिले की कुल जनसंख्या 10,66,063 है जिसमें से 5,40,021 पुरुष तथा 5,26,042 महिलाएं हैं। नीचे दी गई तालिका से हम समझ सकते हैं कि शहडोल जिले में वर्ष 1901 से 2011 के बीच में कुल जनसंख्या, कुल जनसंख्या प्रतिशत, महिला एवं पुरुष जनसंख्या किस प्रकार से बढ़ी है।

तालिका 01

जनगणना वर्ष	कुल जनसंख्या	पूर्ववर्ती जनगणना से भिन्नता		पुरुष	महिला
		शुद्ध	प्रतिशत		
1901	1,84,279	-	-	92,075	92,204
1911	2,10,750	+26,471	+14.36	1,04,527	1,06,223
1921	1,95,760	- 14,990	- 7.11	97,967	97,793
1931	2,35,883	+40123	+20.50	1,18,246	1,17,637
1941	2,69,448	+33,565	+14.23	1,35,610	1,33,838
1951	2,94,797	+25349	+9.41	1,50,423	1,44,374
1961	3,78,636	+83,839	+28.44	1,93,560	1,85,076
1971	4,76,735	+98,099	+25.91	2,45,317	2,31,418
1981	6,07,061	+1,30,326	+27.34	3,13,400	2,93,661
1991	7,66,980	+1,59,919	+26.34	3,96,121	3,70,859
2001	9,08,148	+1,41,168	+18.41	4,64,784	4,43,364
2011	10,66,063	+1,57,915	+17.39	5,40,021	5,26,042

(स्रोतः भारतीय जनगणना 2011)

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है कि वर्ष 1901 में शहडोल जिले की जनसंख्या 1,84,279 थी जो कि 2011 में बढ़कर 10,66,063 हो गई। इस तालिका से यह भी स्पष्ट है कि 1911 से 1921 के दशक में ऐसा पहली बार हुआ जब जनसंख्या 1911 की तुलना में बढ़ने की बजाय 1921 में कम हो गई। लेकिन वर्ष 1921 के बाद जनसंख्या हमेशा बढ़ती गई कभी, कम नहीं हुई। इसी कारण वर्ष 1921 को महान विभाजक वर्ष कहते हैं। इस तालिका से यह भी स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है कि सन् 1961 से 1991 तक की जनसंख्या के प्रतिशत में अत्यधिक वृद्धि हुई।

शहडोल जिले की धार्मिक संरचना

वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार शहडोल जिले की जनसंख्या 10 लाख 66 हजार 63 है। शहडोल जिले

की जनसंख्या में हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, सिख, जैन, बौद्ध आदि धर्म के लोग शामिल हैं। जिनका विवरण इस प्रकार है:

तालिका 02

विवरण	कुल जनसंख्या	प्रतिशत
हिंदू	9,97,073	93.53%
मुस्लिम	42,426	3.98%
ईसाई	2,372	0.22%
सिख	912	0.09%
जैन	1,737	0.16%
बौद्ध	268	0.03%
अन्य	19,448	1.82%
नॉट स्टेटेड	1,827	0.17%

(स्रोत: https://3c5.com/NAVmp)

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है कि शहडोल जिले में हिंदुओं की जनसंख्या 93.53 प्रतिशत है, जो कि सबसे ज्यादा है। मुस्लिमों की संख्या 3.98 प्रतिशत है, ईसाइयों की 0,22 प्रतिशत, सिखों की 0.09 प्रतिशत, बौद्धों की 0.03 प्रतिशत, जैनों की 0.16 प्रतिशत है। अन्य में 1.82 प्रतिशत लोग आते हैं जबकि 0.17 प्रतिशत लोग ऐसे भी हैं जिन्होंने अपने धर्म के बारे में कोई भी जानकारी नहीं दी है।

शहडोल जिले की साक्षरता

सन् 2011 की जनगणना के अनुसार मध्य प्रदेश की कुल साक्षरता दर 69.32 प्रतिशत, जबकि सन् 2011 की जनगणना के अनुसार शहडोल जिले की कुल साक्षरता दर 66.67 प्रतिशत थी जिसमें से पुरुष साक्षरता दर 76.14 प्रतिशत तथा महिला साक्षरता दर 56.99 प्रतिशत थी।

तालिका 03

वर्ष	कुल साक्षर जनसंख्या	कुल साक्षरता प्रतिशत	कुल साक्षर पुरुष की संख्या	कुल साक्षर पुरुष का प्रतिशत	कुल साक्षर महिला की संख्या	कुल साक्षर महिला का प्रतिशत
2001	4,31,879	57.59%	2,70,430	70.34%	1,61,449	44.17%
2011	6,04,199	66.67%	3,48,761	76.14%	2,55,433	56.99%

(स्रोत: भारतीय जनगणना 2001 एवं 2011)

शहडोल जिले की ग्रामीण और नगरीय जनसंख्या

2011 की जनगणना के अनुसार शहडोल जिले में 20.60 प्रतिशत जनसंख्या शहरी क्षेत्र में जबकि 79.40 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। शहरी क्षेत्र में कुल 2,19,600 लोग निवास करते है, जिसमें से 1,13,438 पुरुष और 1,06,162 महिलाएं हैं। इसी प्रकार से ग्रामीण क्षेत्र में कुल 8,46,463 लोग निवास करते हैं जिसमें से 4,26,583 पुरुष और 4,19,880 महिलाएं हैं।

शहडोल जिले की ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या

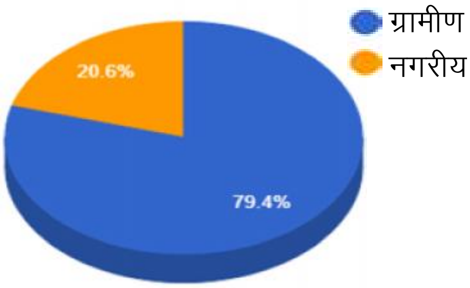

शहडोल जिले में अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति की जनांकिकीय संरचना

सन् 2011 की जनगणना के अनुसार मध्यप्रदेश के शहडोल जिले में अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या 4,76,008 है जिसमें से 2,36,947 पुरुष तथा 2,39,061 महिला हैं, जो कि जनजातियों में महिला सशक्तिकरण को दर्शाता है। जबकि जिले में अनुसूचित जाति की कुल जनसंख्या 89733 है, जिसमें से 45,547 पुरुष और 44,186 महिलाएं हैं।

शहडोल जिले का लिंगानुपात

वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार शहडोल जिले का लिंगानुपात 974 प्रति हजार पुरुष है, जबकि वर्ष 2001 में 954 प्रति हजार पुरुष था। वहीं दूसरी ओर वर्ष 2011 का भारत का लिंगानुपात 943 प्रति हजार पुरुष है, जबकि वर्ष 2001 का लिंगानुपात 933 प्रति हजार पुरुष था।

जब हम शिशु लिंगानुपात की बात करते हैं तो वर्ष 2011 में शहडोल जिले का शिशु लिंगानुपात 950 प्रति हजार बालक है, जबकि वर्ष 2001 का शिशु लिंगानुपात 969 प्रति हजार बालक था। शिशु लिंगानुपात की तुलना जब हम राष्ट्रीय शिशु लिंगानुपात से करते हैं तो पता चलता है कि वर्ष 2011 का राष्ट्रीय शिशु लिंगानुपात 919 है, जबकि 2001 का राष्ट्रीय शिशु लिंगानुपात 927 था।

तालिका 04

वर्ष	शहडोल जिले का लिंगानुपात	राष्ट्रीय लिंगानुपात	शहडोल जिले का शिशु लिंगानुपात	राष्ट्रीय शिशु लिंगानुपात
2001	954	933	969	927
2011	974	943	950	919

(स्रोत. भारतीय जनगणना 2001 एवं 2011)

उपर्युक्त तालिका से यह स्पष्ट है कि शहडोल जिले का लिंगानुपात और राष्ट्रीय लिंगानुपात दोनों बढ़ते ही जा रहे हैं जो कि एक अच्छा संकेत है। दूसरी ओर शहडोल जिले का शिशु लिंगानुपात और राष्ट्रीय शिशु लिंगानुपात दोनों में कमी आती जा रही है, जो कि चिंता का विषय है।

शहडोल जिले का जनसंख्या घनत्व

वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार शहडोल जिले का जनसंख्या घनत्व 172 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है, जबकि वर्ष 2001 का जनसंख्या घनत्व 146 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर था। वहीं जब हम इसकी तुलना राष्ट्रीय घनत्व से करते हैं तो वर्ष 2011 का राष्ट्रीय जनसंख्या घनत्व 382 व्यक्ति प्रति किलोमीटर है, जबकि 2001 का राष्ट्रीय जनसंख्या घनत्व 324 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर था।

तालिका 05

वर्ष	शहडोल जिले का जनसंख्या घनत्व	राष्ट्रीय जनसंख्या घनत्व
2001	146	324
2011	172	382

(स्रोत. भारतीय जनगणना 2001 एवं 2011)

निष्कर्ष

दुनिया के प्रत्येक देश के लिए जनसंख्या एक महत्वपूर्ण विषय है। जनसंख्या की बहुत कमी और जनसंख्या की बहुत अधिकता दोनों ही देश की प्रगति में बाधक साबित हो सकती है। जनसंख्या का संतुलित होना किसी भी देश के लिए एक अच्छा संकेत है। मध्यप्रदेश के शहडोल जिले में भी जनसंख्या तो बढ़ रही है लेकिन जनसंख्या बढ़ने की जो रफ्तार है उसमें कमी आ रही है। यह शहडोल जिले के लिए एक अच्छा संकेत है और जनसंख्या नियंत्रण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संदर्भ सूची

1. आहूजा राम, *सोशल प्रॉब्लम्स इन इंडिया,* रावत पब्लिकेशंस, जयपुर।
2. चान्दना आर.सी., *जनसंख्या भूगोल,* कल्याणी पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2012।
3. https:www.census2011.co.in/censusdistrict327.shahdol.html
4. https:censusindia.gov.incensus.websiteè#

****